TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

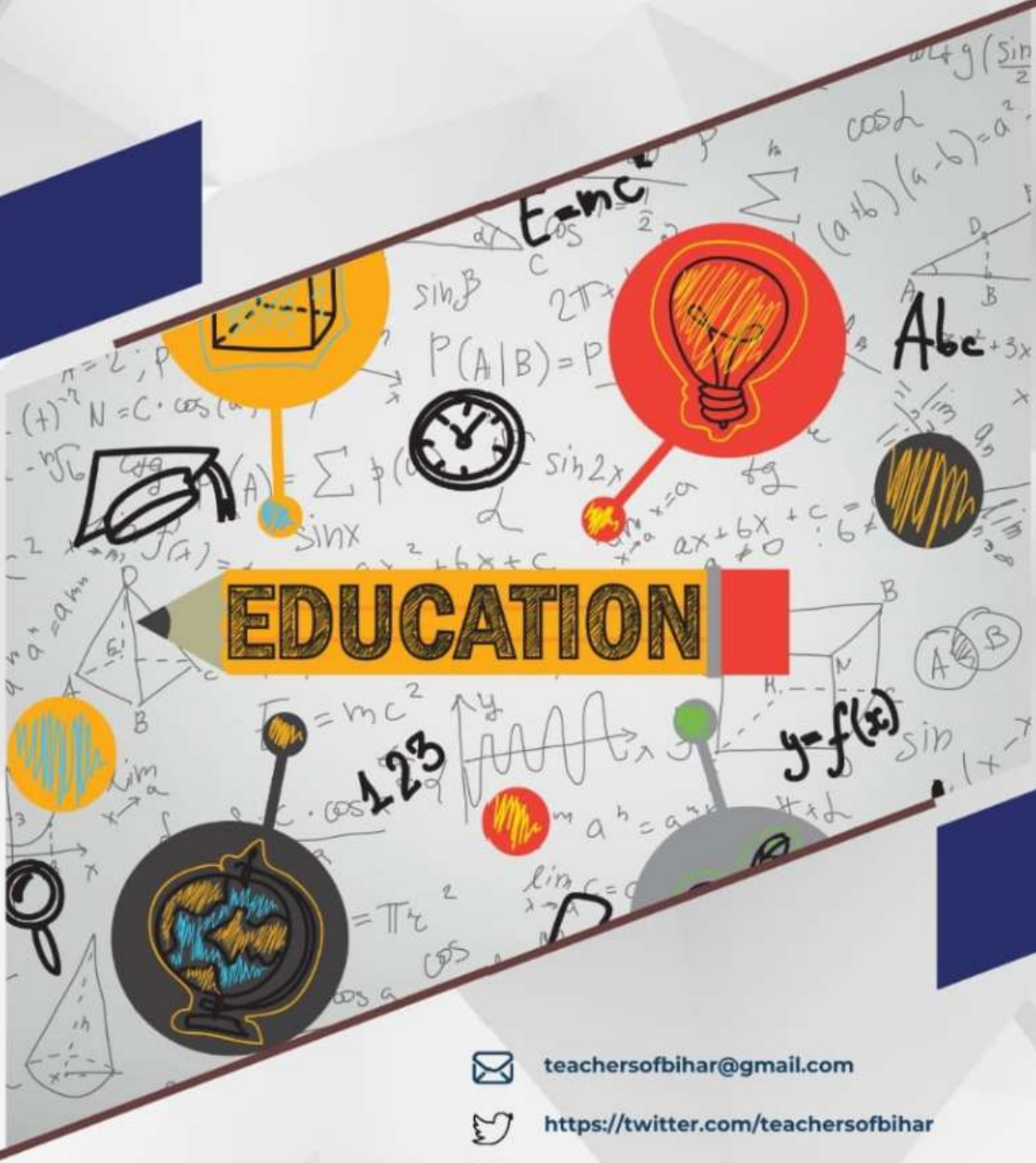

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

जयंती विशेष

23 दिसम्बर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

भ्रष्टाचार का अंत ही देश को आगे ले जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह

(भारत के पूर्व प्रधानमंत्री)

जन्म: 23 दिसम्बर 1902 मृत्यु: 29 मई 1987

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

M o n d a y

23 दिसम्बर

1. **किसान दिवस–** भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस को 'किसान दिवस' के रूप में मनाया जाता है। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर, 1902 ई. को नूरपुर (बागपत), उत्तरप्रदेश में हुआ था। वे भारत के पाँचवें प्रधानमंत्री थे। वे सम्पूर्ण भारत में 'किसानों की मसीहा' माने जाते हैं। उनकी प्रमुख रचनाएं 'अबॉलिशन ऑफ जमींदारी', 'भारत की भयावह आर्थिक स्थिति', 'लिजेण्ड प्रोपराइटरशिप', और 'इंडियास पॉवर्टी एण्ड इट्स सोल्यूशंस' हैं।

2. **रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म–** भारत के स्वतंत्रता सेनानी और लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म 23 दिसम्बर, 1899 ई. को बिहार के मुज़फ़्फ़रपुर जिले में हुआ था। वे पेशे से पत्रकार, साहित्यकार, निबन्धकार, नाटककार और उपन्यासकार थे। सन् 1942 में अगस्त क्रांति आंदोलन के कारण इन्हें हजारीबाग जेल में रहना पड़ा। वर्ष 1957 में बिहार विधान सभा के सदस्य भी चुने गये। उनकी प्रमुख रचनाओं में 'पतितों के देश में' (उपन्यास), 'आम्रपाली' (उपन्यास), 'माटी की मूरतें' (रेखाचित्र), 'गेहूँ और गुलाब' (निबन्ध), 'चित्ता के फूल' (कहानी संग्रह), 'अम्बपाली' (नाटक) आदि हैं।

दिवस विशेष

23 दिसंबर

मधु प्रिया

राष्ट्रीय किसान दिवस 23 दिसंबर

राष्ट्रीय किसान दिवस एक राष्ट्रीय अवसर के रूप में हर साल **23** दिसंबर को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों की स्थिति के उत्थान पर ध्यान देना है। इसे भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के सम्मान में मनाया जाता है। वह एक किसान परिवार से थे।किसान हर देश की प्रगति में विशेष सहायक होते हैं। एक किसान ही है जिसके बल पर देश अपने खाद्यान्नों की खुशहाली को समृद्ध कर सकता है। देश में राष्ट्रपिता गांधी जी ने भी किसानों को ही देश का सरताज माना था। लेकिन देश की आज़ादी के बाद ऐसे नेता कम ही देखने में आए जिन्होंने किसानों के विकास के लिए निष्पक्ष रूप में काम किया। ऐसे नेताओं में सबसे अग्रणी थे देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह। पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह को किसानों के अभूतपूर्व विकास के लिए याद किया जाता है। चौधरी चरण सिंह की नीति किसानों व ग़रीबों को ऊपर उठाने की थी। उन्होंने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की कि बगैर किसानों को खुशहाल किए देश व प्रदेश का विकास नहीं हो सकता। चौधरी चरण सिंह ने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वह गंभीर थे। उनका कहना था कि भारत का संपूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मज़दूर, ग़रीब सभी खुशहाल होंगे।

जयंती

विशेष 23 दिसम्बर

राकेश कुमार

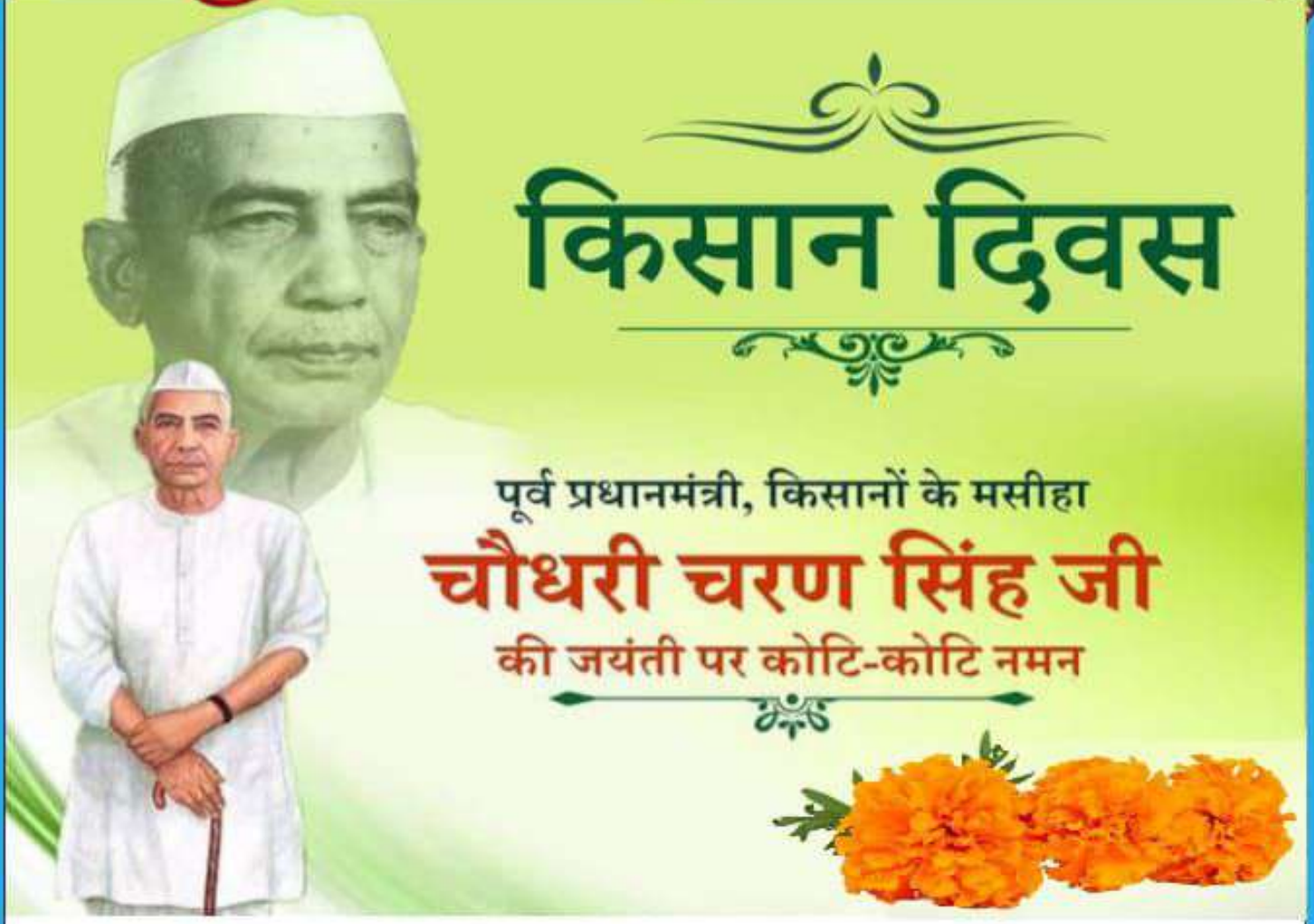

चौधरी चरण सिंह (23 दिसंबर 1902 - 29 मई 1987) वह भारत के किसान राजनेता एवं पाँचवें प्रधानमंत्री थे। उन्होंने यह पद 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक संभाला। चौधरी चरण सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन भारतीयता और ग्रामीण परिवेश की मर्यादा में जिया। फरवरी 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की गयी।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 23.12.2024

ब्रेन रोट

ब्रेन रोट का मतलब है, डिजिटल मीडिया, खासकर सोशल मीडिया पर कम गुणवत्ता वाली सामग्री का ज़्यादा सेवन करने से होने वाली कथित मानसिक गिरावट. यह शब्द जेनरेशन अल्फ़ा और जेनरेशन ज़ेड की ऑनलाइन संस्कृतियों में पैदा हुआ था. साल 2024 में ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी ने इसे वर्ड ऑफ़ द ईयर चुना था।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

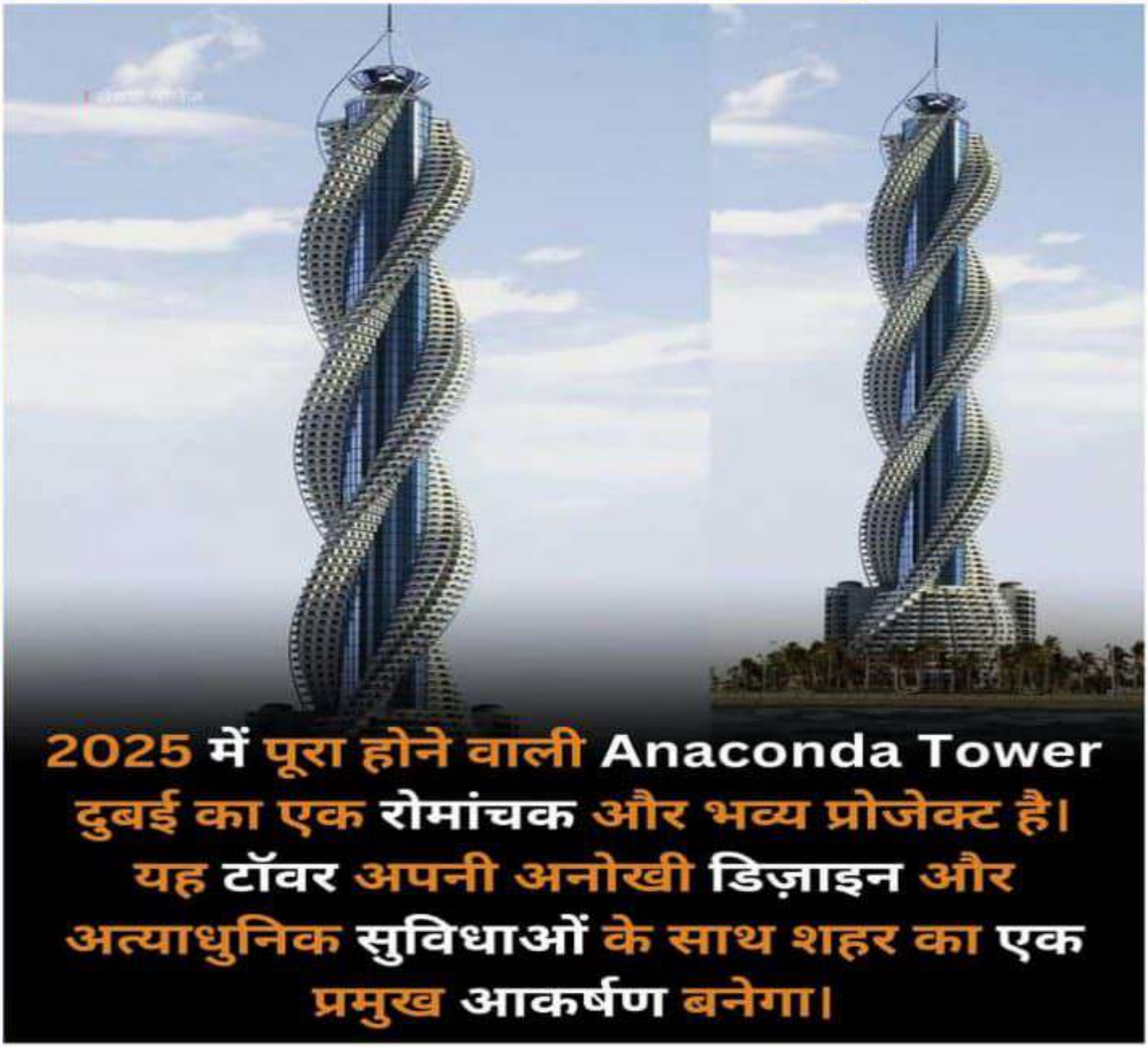

2025 में पूरा होने वाली Anaconda Tower दुबई का एक रोमांचक और भव्य प्रोजेक्ट है। यह टॉवर अपनी अनोखी डिज़ाइन और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ शहर का एक प्रमुख आकर्षण बनेगा।

तैराकी

स्विमिंग या तैराकी एक जलक्रीडा है। इसके अंतर्गत अपने हाथ-पैर की सहायता से पानी में गति करना होता है। जो किसी कृत्रिम साधन के बिन किया जाता है।

स्ट्रोक

फ्रीस्टाइल | ब्रेस्टस्ट्रोक | बटरफ्लाई | ब्रैकस्ट्रोक

तैराकी के नियम

- फ्रीस्टाइल, ब्रेस्टस्ट्रोक और बटरफ्लाई और आईएम इवेंट्स के लिए, तैराक ऊंचाई पर स्थित एक स्टार्टिंग प्लेटफॉर्म से पानी में गोता लगाते हैं।
- जबकि बैकस्ट्रोकर्स स्टार्टिंग ब्लॉक को पकड़कर रेस की शुरुआत करते हैं।
- वहीं रिले रेस में किसी टीम के दूसरे, तीसरे और चौथे तैराक रेस तभी शुरू कर सकते हैं जब उनसे पहले वाले तैराक ने वाल को छू लिया हो।

तैराकी का पूल

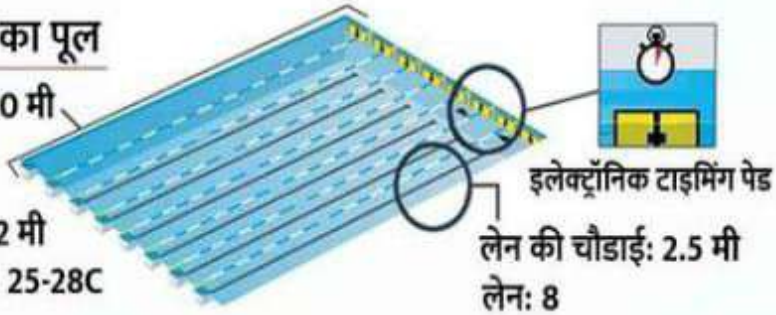

तैराकी का इतिहास

19वीं सदी की शुरुआत में तैराकी, व्यापक रूप से अभ्यास में नहीं थी। इसके बाद ग्रेट ब्रिटेन की नेशनल स्विमिंग सोसाइटी ने तैराकी की प्रतियोगिताओं का आयोजन करना शुरू किया।

TOB बूझो तो जानें . .

464

रात में है, दिन में नहीं, दीया के नीचे है, ऊपर नहीं,
बूझो मेरा नाम सही ... बुझो तो जानें ?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

जयंती पर सादर नमन।
रामवृक्ष बेनीपुरी
जन्म 23 दिसम्बर 1899
मृत्यु 9 सितम्बर 1968
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

किसान राजनेता एवं भारत
के पांचवें प्रधानमंत्री

चौधरी चरण सिंह

की जयंती पर कोटि-कोटि
नमन।

23 दिसंबर 1902 - 9 मई 1987

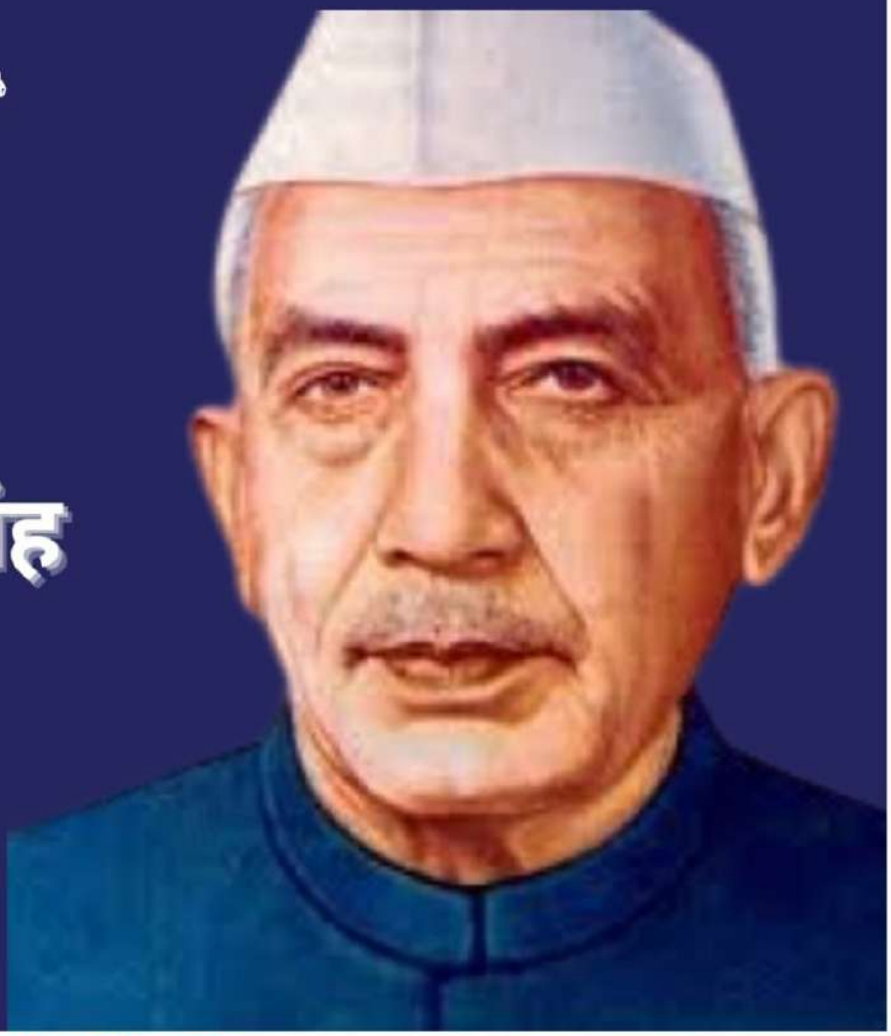

MADHU PRIYA

www.teachersofbihar.org

देश के पूर्व प्रधानमंत्री

चौधरी चरण सिंह

की जयंती सादर नमन

23
, दिसंबर

किसान दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

Punita Kumari

www.teachersofbihar.org